Social bases of education in the context of culture :-

संस्कृति का अर्थ है किसी भी समाज में रहने का ढंग (way of living).

Taylor के अनुसार - " संस्कृति वह जटिल पूर्णता जिसमे ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, नियम रिवाज, और समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य द्वारा अर्जित की जाने वाली अन्य योग्यताएँ और आदतें सम्मिलित रहती हैं।

According to Joseph - "Culture might be defined simply as the total way of living of particular time and place."

Culture as a preserver and transmitter) -

संस्कृति संरक्षक तथा हस्तान्तरित कारक के रूप में-

संस्कृति विकासशील होती है। संस्कृति का संरक्षण जरूरी है क्योंकि समाज का जीवन उसकी संस्कृति के संरक्षण पर ही आधारित है। संस्कृति ही समाज के बिखरे तत्वों को एक सूत्र में समेटे रहती है। सांस्कृतिक तथा हस्तांतरित करने वाले कारक के रूप में ही शिक्षा की उत्पत्ति हुई है)

Is Education the creation of culture?

शिक्षा के प्रयोजन (Purpose of Education) - शिक्षा का मूल-प्रयोजन संस्कृति का संरक्षण है। इससे पता चलता है शिक्षा संस्कृति का creation (कृति) है। शिक्षा, संस्कृति की ही सहायता से बच्चे अपने पूर्वजों की सांस्कृतिक विरासत को पहचान पाते हैं। तथा इसे सम्भाल कर रखते हैं। इस दृष्टि से शिक्षा का कार्य संस्कृति के मान का निर्धारण भी है। इसके कुछ कारक है - ① शिक्षा संस्कृति की उपलब्धि का परिणाम है। बच्चों को अपनी संस्कृति से अवगत कराया जाता है।

शिक्षा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति को हस्तांतरित करती रही है अतः विद्यालय का मुख्य कार्य संस्कृति का संरक्षण एवं हस्तान्तरण है

② शिक्षा और संस्कृति में सम्बन्ध - शिक्षा और समाज में घनिष्ठ सम्बन्ध है। दोनों एक दूसरे को प्रभावित करता है। संस्कृति के अभाव में शिक्षा अधूरी है। किसी समाज की शिक्षा में कोई विशेषता मिलती है, तो उसका एकमात्र कारण उस समाज की संस्कृति है।

शिक्षा का संस्कृति पर प्रभाव :- ① संस्कृति की निरन्तरता में सहायक है शिक्षा।
② संस्कृति के हस्तान्तरण में सहायक है शिक्षा।
③ शिक्षा संस्कृति के परिवर्तन में सहायक है।
④ व्यक्ति के सांस्कृतिक विकास में सहायक।
⑤ व्यक्तित्व के विकास में सहायक।

संस्कृति का शिक्षा पर प्रभाव -
① शिक्षा के अर्थ एवं उद्देश्य पर संस्कृति का प्रभाव।
② संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में शिक्षा
③ शिक्षा के पाठ्यक्रम पर संस्कृति का प्रभाव

(4) विद्यालय पर संस्कृति का प्रभाव।
(5) शिक्षण विधि पर संस्कृति का प्रभाव।
(6) छात्र पर संस्कृति का प्रभाव।
(7) शिक्षक पर संस्कृति का प्रभाव – शिक्षक स्वयं समाज का प्रतिनिधि या संस्कृति का जीवित आदर्श होता है।

हर देश की संस्कृति में अब लचीलापन आ गया है। शिक्षा के द्वारा विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक मान्यताओं को आश्रय देना चाहिए। किन्तु यह ध्यान रखना चाहिए कि वे सामाजिक एवं राष्ट्रीय समन्वय के मार्ग में बाधा न बनें।

— 0 —

Scanned with CamScanner